

जन सुनवाई कार्यवाही विवरण

श्री लादूराम पुत्र श्री त्रिलोकाराम जाट, प्रस्तावित खनन परियोजना (लाइम स्टोन) के खनन मय खनन् परियोजना, एम.एल नम्बर 42/1985 (45/1994 नया), क्षेत्रफल - 09 हैक्टेयर, उत्पादन क्षमता 150000 टन प्रतिवर्ष (रोम), ग्राम- माडपुरा, तहसील - खींवसर, जिला - नागौर (राजस्थान) में पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु उपखण्ड अधिकारी डॉ धीरज कुमार सिंह के अवकाश पर जाने पर अतिरिक्त जिला कलक्टर नागौर द्वारा दिनांक 02.03.2023 को श्री रामनिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, जिला नागौर को अतिरिक्त कार्यभार की जिम्मेदारी दी गयी थी। अतः जन सुनवाई श्री रामनिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, जिला नागौर (अतिरिक्त कार्यभार उपखण्ड अधिकारी, खींवसर) की अध्यक्षता में दिनांक 09.03.2023 को दोपहर 02:00 बजे भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र (आई.टी.सेन्टर), गांव- माडपुरा, तहसील- खींवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में आयोजित जन सुनवाई की कार्यवाही
(Minutes) का विवरण :-

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसरण में कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर के पत्र क्रमांक न्याय/प्रदूषण/ज.सु.2023/349 दिनांक 16.01.2023 एवं क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नागौर के पत्र क्रमांक राप्रनिम/आरओ-नागौर/पी.यू.बी.- 148/2013 दिनांक 18.01.2023 के अनुपालना में श्री लादूराम पुत्र श्री त्रिलोकाराम जाट, प्रस्तावित खनन परियोजना (लाइम स्टोन) के खनन मय खनन् परियोजना, एम.एल नम्बर 42/1985 (45/1994 नया), क्षेत्रफल - 09 हैक्टेयर, उत्पादन क्षमता 150000 टन प्रतिवर्ष (रोम), ग्राम- माडपुरा, तहसील - खींवसर, जिला - नागौर (राजस्थान) के खनन से सम्बन्धित जनसुनवाई दिनांक 09.03.2023 को आयोजित की गई। जन सुनवाई में उपस्थित सभी व्यक्तियों का विवरण मय हस्ताक्षर परिशिष्ट संख्या 01 पर संलग्न है। जनसुनवाई की आम सूचना दो स्थानीय समाचार पत्र दैनिक नवज्योति समाचार

Om

Nmita

(2)

पत्र एवं द इण्डियन एक्सप्रेस समाचार पत्र में दिनांक 21 जनवरी 2023 (शनिवार) को प्रकाशित की गई थी जिसकी प्रति परिशिष्ट संख्या 02 पर संलग्न है।

जनसुनवाई के प्रारम्भ में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमती सविता ने सभी आंगतुकों का स्वागत किया। श्रीमान रामनिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर की अनुमति से जनसुनवाई प्रारम्भ की गई।

श्रीमती सविता, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर ने जनसुनवाई के प्रावधान, उद्देश्य एवं महत्व तथा प्रस्तावित परियोजना के बारे में जानकारी दी एवं परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देने हेतु पर्यावरणीय सलाहकार को जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं ग्रामवासियों/व्यक्तियों को प्रस्तावित खनन परियोजना के बारे में विस्तार से अवगत कराने बाबत् आमंत्रित किया।

परियोजना प्रबंधक की ओर से खनन परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार वाईब्रेट टेक्नो लेब प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर के पर्यावरणीय सलाहकार श्री रवि कुमार के माध्यम से जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं ग्रामवासियों/व्यक्तियों को विस्तृत जानकारी दी। खनन परियोजना के सम्बन्ध में, कलस्टर प्रमाण पत्र एवं नक्शा जानकारी, परियोजना की स्थिति, लोकेशन मैप, खनन पट्टे की गूगल इमेजनरी, परियोजना की प्रमुख विशेषताएं, परियोजना का विवरण, क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति का विवरण, परिवहनभार, पर्यावरण संरक्षण उपाय, खनन की समय सीमा समाप्ति पर भूमि का उपयोग, पर्यावरण प्रबंधन के साथ हरित पट्टिका का विकास, पर्यावरण प्रबंधन योजना (वायु, जल, ध्वनि, ठोस अपशिष्ट गुणवत्ता प्रबंधन,) व्यवसायिक स्वारक्ष्य एवं सुरक्षा, श्रमिक कल्याण हेतु प्रस्तावित कार्य से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया खनन योजना के दौरान ऑवर बर्डन के रूप निकलने वाले अपशिष्ट को अनुमोदित माइनिंग प्लान के अनुसार इकट्ठा किया जायेगा एवं वृक्षारोपण द्वारा स्थिर किया जायेगा, साथ ही पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित खनन परियोजना से होने वाले प्रदूषण, उसके प्रबंधन तथा मण्डल मानकों के अनुरूप

O/s

Dmita

रोकथाम करने के प्रस्तावित प्रयासों से अवगत कराया। साथ ही वृक्षारोपण, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.), व्यवसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई।

श्रीमती सविता, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर एवं श्रीमान रानिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर की ओर से जनसुनवाई में उपस्थित लोगों को अपने विचार/आपत्ति सुझाव प्रकट करने के लिए आंमत्रित किया गया।

इसी क्रम में उक्त खनन परियोजना से संबंधित उपस्थित व्यक्तियों में से कुछ विचार मौखिक रूप से व्यक्त किये गये जो निम्न प्रकार हैं:-

1. श्री सुगना राम काकड़, पूर्व सरपंच माडपुरा के द्वारा बताया खनन परियोजना के सम्बन्ध में कोई सूचना नहीं दी गई तथा माईंस को ई.सी. ना दी जाये।
2. योजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि जनसुनवाई की आम सूचना दो स्थानीय समाचार पत्र दैनिक नवज्योति समाचार पत्र एवं द इण्डियन एक्सप्रेस समाचार पत्र में दिनांक 21 जनवरी 2023 (शनिवार) को प्रकाशित की गई थी तथा दिनांक 25.02.2023 को ग्राम माडपुरा एवं आस-पास के गांवों में जीप द्वारा बैनर लगाकर मुनादी करवायी गयी जिनकी फोटो एवं विडियो संलग्न है।
3. श्री सुरजाराम, ग्राम माडपुरा द्वारा बताया गया कि माईंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी अस्पताल, आंगनबाड़ी केन्द्र, सरकारी विद्यालय, सरकारी राशन की दुकान एवं ग्रामीणों के घर हैं।
4. श्री बाबुलाल, सरपंच प्रतिनिधि, दुजासर ने बताया कि एसडीएम साहब आप मौका मुआवना करें जिसमें आप पायेगें कि 500 से 100 मीटर के अन्दर आस-पास आबादी क्षेत्र, सरकारी अस्पताल, सरकारी विद्यालय एवं पानी की टंकी है।
5. श्री धन्नाराम, ग्राम माडपुरा ने बताया कि सरकारी अस्पताल एवं आबादी क्षेत्र है।
6. श्री रामचन्द्र, ग्राम माडपुरा ने बताया कि क्या पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए क्या यह भीड़ पर्याप्त है जबकि गांव की आबादी लगभग 7000 है उसके अनुरूप नहीं है।

7. श्रीमान रानिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर ने बताया कि आपके अनुरूप ही निर्णय लिया जायेगा, आप जो बोलोगें वहीं लिखा जायेगा एवं आगे प्रेषित कर दिया जायेगा। आपको जो भी आपत्ति / सुझाव है वो आप लोग एक प्रार्थना पत्र लिखकर सभी के हरताक्षर करवाकर दे दिजियें।
8. श्री रामचन्द्र, ग्राम माडपुरा ने बताया कि वर्ष 2006 में एम डब्ल्यू माईन्स एवं अन्य माईन्सों की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए जन सुनवाई हुई थी। जिसमें वृक्षारोपण, ईएसआर, सीएसआर एवं श्रमिकों के लिए अनेक प्रावधान बताये गये थे जिनकी पालना आज तक नहीं हुई है। यहां खनन होने से यहां गांव के लोगों को सिलिकोसिस एवं अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है ना कि बाहर के लोगों को।
9. श्री बाबुलाल, सरपंच प्रतिनिधि, दुजासर ने बताया कि खनन पट्टे 100 मीटर के दायरे में राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरता है।
10. श्री रामचन्द्र, ग्राम माडपुरा ने बताया कि खनन परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि 10 किलोमीटर के दायरे में कोई राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं है। जबकि खनन पट्टे से 100 मीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग है। वर्ष 1984 में जब खनन पट्टा स्वीकृत हुआ था तब खनन कार्य मेन्यूअल पद्धति से होता था जिससे धूल के कण नहीं उड़ते थे ब्लास्टिंग नहीं होती थी तथा आबादी एवं अन्य सार्वजनिक स्थान पास में नहीं थे। अब जो माईनिंग होगी उसमें भारी मशीनों का उपयोग किया जाता है। जिससे आस-पास के सार्वजनिक स्थल का नुकसान होगा एवं धूल के कण ज्यादा उड़ें जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ें। यदि यहां पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की जाती है तो सभी को समस्या होगी। मानवता के नाम पर सोचें और इस खनन पट्टे को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान नहीं की जाये।
11. श्री सुरजा राम, ग्राम माडपुरा ने बताया कि माडपुरा ग्राम पंचायत के लोगों को आपत्ति यह है कि खनन पट्टे को पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में ट्यूबवेल को नुकसान होगा, पाने के टाके का नुकसान होगा एवं आस-पास में बने हुए मकानों में दरारे आयेंगी। खनन के दौरान जो बड़े गढ़े बनेंगे उनको खुला छोड़ने से आस-पास में विचरण करने वाले पशु उनमें गिरने की आंशका रहेंगी।

12. योजना प्रस्ताव के द्वारा बताया गया कि खनन के दौरान ब्लास्टिंग नहीं की जायेगी।

यदि ब्लास्टिंग की आवश्यकता होती है तो डीजीएमएस की अनुमति से तथा उनके नियमों के अनुरूप की जायेगी एवं भारी मशीनरी का उपयोग नहीं किया जायेगा तथा खनन कार्य के दौरान बनाये गये पीटो के चारों ओर तारबन्दी की जायेगी, हर वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति की पालना में वृक्षारोपण किया जायेगा।

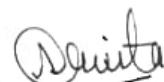
13. श्री रामचन्द्र, ग्राम माडपुरा ने बताया कि हमारी तरफ से ना है और ये मार्झिन्स चालू नहीं होनी चाहिए।

14. श्रीमान रानिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर ने बताया कि आपके अनुरूप ही निर्णय लिया जायेगा, आप जो बोलोगें वहीं लिखा जायेगा एवं आगे प्रेषित कर दिया जायेगा तथा आज जो भी यहां पर जो बोला गया है उसकी प्रतिलिपि एवं विडियों ग्राम पंचायत, जिला परिषद, एसडीम कार्यालय में भेजी जायेगी। वहां से आप देख सकते हैं।

जनसनुवाई से पहले, दौरान एवं जनसुनवाई के पश्चात उक्त खनन परियोजना से संबंधित 03 सुझाव/अभ्यावेदन/प्रार्थना पत्र लिखित में प्राप्त हुए हैं। जिनकी प्रतिलिपि संलग्न है।

अंत में क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा जनसुनवाई के दौरान ग्रामवासियों/व्यक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद के साथ श्रीमान रानिवास मीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवायें प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर की अनुमति से पर्यावरणीय जनसुनवाई की समाप्ति की घोषणा के साथ जन-सुनवाई की कार्यवाही सम्पन्न की गई।


 श्रीमान रामनिवास मीणा
 सहायक निदेशक, लोक सेवायें
 प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग,
 खींवसर, जिला नागौर


 श्रीमती सविता
 क्षेत्रीय अधिकारी
 राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल नागौर,
 (राज.)



उपस्थिति पत्रक

(6)

गांव—माडपुरा, तहसील — खीवसर, जिला — नागौर के “लाईमस्टोन माइनिंग प्रोजेक्ट एम. एल. नं. — 42/1985 (45/1994 कुल अनुमानित उत्पादन क्षमता 1,50,000 टन प्रतिवर्ष (रोम) (विक्रय योग्य खनिज 1,35,000 टन प्रतिवर्ष एवं वेस्ट—15,000 टन प्रतिवर्ष), क्षेत्रफल 9.0 हेक्टेयर की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई।

स्थान :— भारत निर्माण राजीव गांधी रोड केन्द्र (आई.टी.सेन्टर), गांव—माडपुरा, तहसील—खीवसर, जिला—नागौर

जिला :— नागौर।

दिनांक :— 09.03.2023

समय :— प्रातः 11:00 बजे से

क्र.सं.	नाम व पता	मोबाइल नम्बर	हस्ताक्षर
1.	Sunita, Regional officer, RSPCB, Nagaur	99834-11222	Sunita
2.	Ramnivas Meen I.D. Khimkar	9928153176	Og
3.	Tejraj Pawar, Environment Environmental Engg. RSPCB, Nagaur	9549828642	Tejraj
4.	Shivdayal Godara (Consultant)	9549956601	Shivdayal
5.	Ravi Kumar [Libdant techno Lab Pvt. Ltd. (ltd.)]	8005729139	Ravi Kumar
6.	Vijay Kuri	9828860607	Vijay
7.	गुरुकृष्ण सर्वेश भाजपा	9950498238	.
8.	स्वातंत्र्य नगर सर्वेश भाजपा गुरुकृष्ण सर्वेश भाजपा	9698043694	स्वातंत्र्य
9.	लालुराम	9982626007	लालुराम
10.	खेळनाराम		
11.	Kishnam. Sengar	9898577776	Kishnam
12.	अंकित	9672937276	अंकित
13.	राजेश	9773009079	राजेश
14.	मुकेश, कुमार, बीमा, नाला	9680697121	मुकेश

उपस्थिति पत्रक

श्री लादूराम, गांव-माडपुरा, तहसील - खींचक, जिला - नागौर के "लाईगस्टोन माइनिंग प्रोजेक्ट एम. एल. नं. - 42 / 1985 नया), कुल अनुमानित उत्पादन क्षमता 1,50,000 टन प्रतिवर्ष (रोम) (विक्रय योग्य खनिज 1,35,000 टन प्रतिवर्ष एवं वेर्स्ट-15,000 टन प्रतिवर्ष - 9.0 हैक्टेयर की पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु लोक सुनवाई।

स्थान :— भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र (आई.टी.सेन्टर), गांव-माडपुरा, तहसील-खींचक, जिला-नागौर

जिला :— नागौर।

दिनांक :— 09.03.2023

समय :— प्रातः 11:00 बजे से

15.	सुनवाई	7976498161	<i>Sun वाई</i>
16.	पुनराय		<i>Pun राय</i>
17.	पुलता-रोम	9950785549	<i>Pulata रोम</i>
18.	अमरासंद मोर्गु TDR	6377646161	<i>Amara संद मोर्गु</i>
19.			
20.			
21.			
22.			
23.			
24.			
25.			
26.			
27.			
28.			
29.			

(7)

दिनांक:-09.03.2023

(1)

श्रीमान उपर्खंड अधिकारी

खींवसर (नागौर)

F.O.
9/3/2023

विषय :-पर्यावरणीय स्वीकृति खनन परियोजना हेतु आपत्ति दर्ज करने बाबत।

महोदय जी,

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम निवेदन हैं कि एम.एल.न.-42/1985(45/1994R) श्री लादूराम पुत्र श्री तिरलोकराम खसरा संख्या 380, गांव-दुजासर, ग्राम पं. माडपुरा तहसील खींवसर जिला नागौर जिसकी पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये जनसुनवाई आज दिनांक 09.03.2023 को ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रखी गई है।

निम्न आपत्तियां दर्ज करने बाबत :-

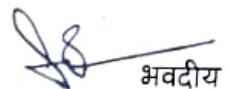
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी हॉस्पिटल:-पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के बाद पास में ही हॉस्पिटल में ईलाज करवाने आने वाली गर्भवती/धात्री/किशोरियों व बड़े बुजर्गों को बहुत समस्या होगी। हमेशा खतरा बना रहेगा।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में आगंनवाड़ी केंद्र :- 3-6 वर्ष के नन्हे-मुन्हे बच्चों को रोज केंद्र आना पड़ रहा है। वह माइंस चालू होने के बाद हमेशा खतरे में आ जायेगे उनकी शाला पूर्ण शिक्षा से वंछित हो जायेगे।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी स्कूल -पर्यावरणीय स्वीकृति के बाद बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित होगी व बड़ी लोडिंग गाड़ियाँ चलने की वजह से नन्हे बच्चों के ऊपर रोज खतरा मंडराया हुवा रहेगा। स्कूल के पास ब्लास्टिंग होने से अत्याधिक प्रदूषण होगा।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी राशन दूकान :-इस दूकान पर प्रति दिन ग्रामीणों का आना-जाना रहेता है। जिससे ग्रामीण बहुत ज्यादा प्रदूषण होने की वजह से हमेशा परेशानी बनी रहेगी।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी समुदायक समाज भवन :-समाज के कार्यक्रम हमेशा होते रहेते हैं उसमें भी समस्या बनी रहेगी।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में ग्रामीणों के घर :- पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के बाद ग्रामीणों का जीवन यापन बहुत कठिन हो जायेगा, आदमी की मूल-भूत जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान होती हैं उसमें प्रदूषण से लोगों की जमीन खेती करने योग्य नहीं रहे पायेगी व मकान ब्लास्टिंग से कमज़ोर हो जायेगे।
- वेस्ट (OB) व गाड़ियों की पीसी हुई डस्ट से सिलिकोसिस जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती है।
- आवागमन की सड़के जो ग्राम पंचायत व PWD द्वारा ग्रामीण लोगों की सुविधा के लिये बनाई हुई हैं उसको भी हेवी वाहनों के आवागमन होने से खराब किया जायेगा जिससे ग्रामीणों को बड़ी दिखत होगी।
- लीज मालिक के द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिये अभी तक कभी भी वृक्षारोपण नहीं करवाया है।
- लीज चारों ओर से खुली पड़ी हैं जिससे पशु व जन हानि कभी भी हो सकती हैं।

उपरोक्त सभी आपत्तियों पर विचार-विमर्श करते हुए कार्य पर रोक लगवाकर हमें राहत प्रदान करे।

धन्यवाद

(B)

- 1.जेला कलक्टर नागौर
- 2.सीईओ जिला परिषद् नागौर
- 3.तहसीलदार खींवसर
- 4.ग्राम पंचायत माडपुरा
- 5.जिला रसद अधिकारी,नागौर
- 6.महिला एवं बाल विकास विभाग,खींवसर
- 7.मुख्य चिकित्सा अधिकारी,नागौर
- 8.शिक्षा अधिकारी,नागौर
- 9.क्षेत्रीय अधिकारी,राजस्थान राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, किशनगढ़
10. वन विभाग ,नागौर


भवदीय

सुरजाराम पुत्र श्री पीराराम जाति-जाट

मोब- 9610406005

(9)

श्रीमान उपखंड अधिकारी

खींवसर (नागौर)

विषय :-पर्यावरणीय स्वीकृति खनन परियोजना हेतु आपत्ति दर्ज करने बाबत।

R.O.
Ad
09/3/2023

महोदय जी,

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम निवेदन हैं कि श्री लादूराम पुत्र श्री तिरलोकराम खसरा नं 380,गांव-दुजासर,ग्राम पं. माडपुरा तहसील खींवसर जिला नागौर जिसकी पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये जिसमें मेरे द्वारा दर्ज करवाई गई आपत्तियों के अनुसार कार्य करने पर रोक लगवाने हेतु।

- हर वर्ष कम से कम 500 वक्षारोपन माइंस मालिक के द्वारा किया जाये।
- 100 मीटर दायरे में सरकारी स्कुल हैं बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी।
- 100 मीटर दायरे में सरकारी हॉस्पिटल हैं जहाँ पर आने वाले ग्रामीण लोगों को तकलीफ होगी।
- ब्लास्टिंग साइलेंट वाली होनी चाहिये।
- समय-समय पर पानी का छिड़काव व ग्रामीण सड़कों को माइंस मालिक द्वारा रिपेयरिंग करना सुनिश्चित करावे।
- प्रति वर्ष जितना माल निकाला जाता है यानि रोयल्टी का कम से कम 10रुपया प्रति टन ग्रामीण विकास पर खर्च करना सुनिश्चित करावे।
- हर वर्ष प्रदूषण विभाग द्वारा बड़ी मशीन लगवाकर प्रदूषण से संबंधित जाँच करवाना सुनिश्चित करावे।
- जहाँ तक ग्रामीणों को रोजगार व लोकल गाड़ी मालिकों को रोजगार प्रदान किया जाये।
- पर्यावरण को बचाने के लिये ग्रामीणों लोगों की समय-समय पर खनिज मालिक द्वारा जनसुनवाई रखना सुनिश्चित करावे।
- लीज के चारों ओर चार दिवारी निकलवाकर कार्य शुरू करना सुनिश्चित करावे।
- लीज मालिक द्वारा सरकारी जर्मीन के नियमानुसार जगह छोड़ कर खनन करना सुनिश्चित करावे।

⇒ ३४८८ रुपया में झन्पु उद्घोष लगावाने पर,

पांडु श्री लगवाई जोपी

भवदीय ११०१७.३.२०२३
6378051693

सुगनाराम काकड़ पुत्र श्री चोखाराम काकड़

जाति-जाट, निवासी दुजासर

दुर्लभ राम मोहन लगवाने पर
नीलगंगा राम लगवाने पर
लगवाने पर राम लगवाने पर
लगवाने पर राम लगवाने पर

दुर्लभ मोहन लगवाने पर
नीलगंगा राम लगवाने पर
लगवाने पर राम लगवाने पर
लगवाने पर राम लगवाने पर

श्रीमान उपर्खंड अधिकारी

खींचसर (नागौर)

विषय :- पर्यावरणीय स्वीकृति खनन परियोजना हेतु आपत्ति दर्ज करने बाबत।

महोदय जी,

उपरोक्त विषयान्तर्गत नम निवेदन हैं कि एम.एल.न.-42/1985(45/1994R) श्री लादूराम पुत्र श्री तिरलोकराम खसरा संख्या 380, गांव-दुजासर, ग्राम पं. माडपुरा तहसील खींचसर जिला नागौर जिसकी पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये जनमुनवाई आज दिनांक 09.03.2023 को ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रखी गई हैं।

निम्न आपत्तियां दर्ज करने बाबत :-

- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी हॉस्पिटल:- पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के बाद पास में ही हॉस्पिटल में इलाज करवाने आने वाली गर्भवती/धात्री/किशोरियों व बड़े बुजर्गों को बहुत समस्या होगी। हमेशा खतरा बना रहेगा।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में आगंनवाड़ी केंद्र :- 3-6 वर्ष के नन्हे-मुन्हे बच्चों को रोज केंद्र आना पड़ रहा हैं वह माइंस चालू होने के बाद हमेशा खतरे में आ जायेगे उनकी शाला पूर्ण शिक्षा से बंछित हो जायेगे।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी स्कूल - पर्यावरणीय स्वीकृति के बाद बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित होगी व बड़ी लोडिंग गाड़ियाँ चलने की वजह से नन्हे बच्चों के ऊपर रोज खतरा मंडराया हुआ रहेगा। स्कूल के पास ब्लास्टिंग होने से अत्याधिक प्रदूषण होगा।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी राशन दूकान :- इस दूकान पर प्रति दिन ग्रामीणों का आना-जाना रहता हैं जिससे ग्रामीण बहुत ज्यादा प्रदूषण होने की वजह से हमेशा परेशानी बनी रहेगी।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में सरकारी समुदायक समाज भवन :- समाज के कार्यक्रम हमेशा होते रहते हैं उसमें भी समस्या बनी रहेगी।
- माइंस के 100 मीटर दायरे में ग्रामीणों के घर :- पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के बाद ग्रामीणों का जीवन यापन बहुत कठिन हो जायेगा, आदमी की मूल-भूत जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान होती हैं उसमें प्रदूषण से लोगों की जमीन खेती करने योग्य नहीं रहे पायेगी व मकान ब्लास्टिंग से कमज़ोर हो जायेगे।
- वेस्ट (OB) व गाड़ियों की पीसी हुई डस्ट से सिलिकोसिस ऐसी खतरनाक बीमारी हो सकती हैं।
- आवागमन की सड़के जो ग्राम पंचायत व PWD द्वारा ग्रामीण लोगों की सुविधा के लिये बनाई हुई हैं उसको भी हेवी वाहनों के आवागमन होने से खराब किया जायेगा जिससे ग्रामीणों को बड़ी दिखत होगी।
- लीज मालिक के द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिये अभी तक कभी भी वृक्षारोपण नहीं करवाया हैं।
- लीज चारों ओर से खली पड़ी हैं जिससे पश्च व जन हानि कभी भी हो सकती हैं।
- शर्जप-मार्फ 100 मीटर से ऊपर इरी पर बसी है।

उपरोक्त सभी आपत्तियों पर विचार-विमर्श करते हुए कार्य पर रोक लगवाकर हमें राहत प्रदान करे।

12. किसानों का लेज दीकु छोरवाला है। उसको भी छुक्काला होगा।

धन्यवाद

प्रधानमंत्री

मार्गदर्शक

2 म (1)

प्रधानमंत्री

मार्गदर्शक

प्रधानमंत्री

नीतीय

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री

(11)

जिला कलक्टर नागौर

2. सीईओ जिला परिषद् नागौर

3. तहसीलदार खींवसर

4. ग्राम पंचायत माडपुरा

5. जिला रसद अधिकारी, नागौर

6. महिला एवं बाल विकास विभाग, खींवसर

7. मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नागौर

8. शिक्षा अधिकारी, नागौर

9. क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, किशनगढ़

10. वन विभाग, नागौर

१०/१८८

भवदीय

~~कुमारपुरी ग्राम पंचायत~~

समस्त इमामबाजी
माडपुरा

कार्यालय जिला कलकटर नागौर

क्रमांक प.1(सी)()रांथा/2023/ ५१८

दिनांक ०२/३/२०२३

आदेश

डॉ. धीरज कुमार सिंह (आईएएस), उपखण्ड अधिकारी, खींवसर के इवय के आवेदन पर दिनांक 04.03.2023 से 12.03.2023 तक तीन दिन का अवकाश व उक्त अवधि में राजकीय अवकाश में निर्देशानुसार मुख्यालय छोड़ने की अनुमति भी प्रदान की जाती हैं।

उपखण्ड अधिकारी, खींवसर के अवकाश के दौरान श्री रामनिवास भीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवाएं प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर द्वारा अपने पद के कार्य के साथ-साथ उपखण्ड अधिकारी खींवसर का अतिरिक्त कार्यभार भी सम्पादित करेंगे।

(गोहन लाल राट्टनावलिया)
अति.जिला कलकटर
नागौर

क्रमांक सम/५१९

दिनांक ०२/३/२०२३

प्रतिलिपि-निनांकित को सूचनार्थ, पालनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. डॉ. धीरज कुमार सिंह (आईएएस), उपखण्ड अधिकारी, खींवसर
2. श्री रामनिवास भीणा, सहायक निदेशक, लोक सेवाएं प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग, नागौर
3. तहसीलदार, खींवसर
4. अति.निजी सचिव, जिला कलकटर, नागौर
5. निजी सहायक येड-ा, अति.जिला कलकटर, नागौर
6. रांरित पत्रावली

अति.जिला कलकटर
नागौर























ମିଶରନ

4/6

DVD-Recordable
120min

DATA